कानपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026
वर्ष: 03, अंक: 43, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड रूस-यूक्रेन टकराव और बढ़ा...>Pg12

बिल्हौर फर्जी रजिस्ट्री: महानिदेशक ने मांगा जवाब ...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

बांग्लादेश चुनाव में कट्टरपंथ की हार BNP को स्पष्ट जनादेश

○ जनता ने मध्यमार्गी राजनीति को चुना, जमात खेमे का असर सीमित ○ नई सरकार से भारत-बांग्लादेश रिश्तों में नई शुरुआत की उम्मीद

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

ढाका। दक्षिण एशिया के राजनीतिक परिदृश्य में अहम बदलाव दर्ज करते हुए बांग्लादेश के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (ब्ह्क्क) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर सत्ता पर मजबूत दावा ठोक दिया है। चुनाव नतीजों में कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा माना जाने वाला जमात-ए-इस्लामी गठबंधन अपेक्षा से काफी पीछे रहा।

विश्लेषकों का मानना है कि यह जनादेश राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक सुधार और संतुलित विदेश नीति के पक्ष में गया है। लंबे समय से चले आ रहे सत्ता संघर्ष और अस्थिरता के बाद मतदाताओं ने निर्णायक विकल्प चुना है। बांग्लादेश के चुनाव परिणाम ने राजनीतिक दिशा बदल दी है। ब्ह्क्क को मिला स्पष्ट जनादेश स्थिर सरकार का रास्ता खोलता है, जबकि कट्टरपंथी धड़े के सीमित प्रदर्शन ने नीति-आधारित शासन की उम्मीद बढ़ाई है। भारत के लिए यह नतीजा रणनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग के लिहाज से अवसर लेकर आया है। अब असली परीक्षा नई सरकार के शुरुआती फैसलों और क्षेत्रीय संतुलन साधने की क्षमता की होगी

स्थिर सरकार का रास्ता साफ

300 सदस्यीय संसद में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा ब्ह्क्कगठबंधन ने पार किया। कई प्रमुख शहरी, औद्योगिक और सीमावर्ती सीटों पर ब्ह्क्कउम्मीदवारों ने बढ़त दर्ज की। जमात समर्थित गठबंधन को सीमित सीटें मिलीं, जिससे उसकी सरकार गठन की संभावना खत्म हो गई। खास बात यह कि चुनाव में उल्लेखनीय मतदान प्रतिशत दर्ज हुआ। इसे जनविश्वास और राजनीतिक भागीदारी का संकेत माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने मतदान प्रक्रिया को कुल मिलाकर व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी बताया।

नई सत्ता के नेतृत्व पर टिकी नजर

चुनाव के बाद ब्ह्क्कचेयरमैन तारिक रहमान नई सरकार के प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सरकार गठन और नीति प्राथमिकताओं पर आंतरिक मंथन शुरू हो चुका है। शुरुआती फोकस आर्थिक पुनर्गठन, प्रशासनिक सुधार और निवेश माहौल सुधारने पर रहने के संकेत हैं। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाने के भी संकेत दिए गए हैं।

कट्टरपंथ पर जनादेश का असर

- जमात खेमे के कमजोर प्रदर्शन को कट्टरपंथी राजनीति के लिए झटका माना जा रहा है।
- मतदाताओं ने विकास, रोजगार और स्थिर शासन को प्राथमिक मुद्दा बनाया।
- सामाजिक ध्रुवीकरण के बजाय प्रशासनिक सुधार और आर्थिक अवसर चुनाव का मुख्य एजेंडा रहा।
- इससे आने वाले समय में नीति आधारित राजनीति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

नई सरकार के सामने प्रमुख चुनौतियां

- महंगाई और मुद्रा दबाव से जूझ रही अर्थव्यवस्था को स्थिर करना।
- विदेशी निवेश और निर्यात क्षेत्र को पुनर्जीवित करना।
- उद्योग और टेक्सटाइल सेक्टर में रोजगार सृजन बढ़ाना।
- प्रशासनिक पारदर्शिता और भ्रष्टाचार नियंत्रण।
- अंतरराष्ट्रीय संतुलन – भारत, चीन और पश्चिमी देशों के साथ समान दूरी की कूटनीति।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह परिणाम

- भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी जीत पर बधाई संदेश भेजते हुए द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।
- नई सरकार से सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और खुफिया समन्वय में मजबूती की उम्मीद।
- कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट, रेल-सड़क लिंक, ऊर्जा व्यापार और बंदरगाह उपयोग समझौतों को गति मिल सकती है।
- अवैध तस्करी, घुसपैठ और सीमा अपराध रोकने में संयुक्त तंत्र के मजबूत होने की संभावना।
- क्षेत्रीय मंचों पर समन्वय बढ़ने से पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर राज्यों को भी लाभ मिल सकता है।

क्षेत्रीय और वैश्विक प्रतिक्रिया

- दक्षिण एशियाई देशों ने चुनाव परिणाम को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सकारात्मक संकेत बताया।
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों ने भी राजनीतिक स्पष्टता को आर्थिक दृष्टि से अच्छा संकेत माना।
- कूटनीतिक हलकों में नई सरकार की विदेश नीति दिशा पर विशेष नजर रखी जा रही है।

वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर किया गया खाली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को न्यायिक और प्रशासनिक तंत्र में अफरातफरी मच गई। धमकी भरा ईमेल कोर्ट की आधिकारिक सरकारी मेल आईडी पर प्राप्त हुआ, जिसके तुरंत बाद पूरे न्यायालय परिसर को खाली करा लिया गया। जिला जज सहित न्यायिक अधिकारी एहतियातन बाहर आ गए और दिनभर की न्यायिक कार्यवाही अस्थायी रूप से रोक दी गई।

सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल, बम

- सरकारी मेल आईडी पर धमकी भरा संदेश मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय
- 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात, बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वॉड ने खंगाला परिसर

निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचा। कोर्ट के हर ब्लॉक, कक्ष, रिकॉर्ड रूम और पार्किंग क्षेत्र की सघन तलाशी ली जा रही है। प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु मिलने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा कारणों से जांच पूरी होने तक प्रतिबंध जारी

है। मामले की तकनीकी जांच के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर टीम को लगाया गया है, जो ईमेल के स्रोत और भेजने वाले की पहचान जुटाने में लगी है।

फैक्टफाइल

- जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी
- सरकारी ईमेल आईडी पर मिला धमकी भरा मेल
- 200+ पुलिसकर्मी परिसर में तैनात
- बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड बुलाया गया
- पूरा कोर्ट परिसर खाली कराया गया
- न्यायिक कार्यवाही अस्थायी रूप से स्थगित
- हर कक्ष और परिसर की सघन तलाशी
- अब तक कोई विस्फोटक वस्तु मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं
- साइबर सेल ईमेल स्रोत ट्रेस करने में जुटी

मकसूदाबाद में 80 बीघा ऊसर बंजर भूमि अतिक्रमण से मुक्त

प्राधिकरण की टीम ने कब्जा मुक्तकरा कर अपना बोर्ड लगाया, विकास योजनाओं को मिलेगा बल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम मकसूदाबाद की लगभग 80 बीघा ऊसर एवं बंजर भूमि पर कब्जा प्राप्त कर लिया। यह कार्रवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में राजस्व विभाग के साथ संयुक्त रूप से की गई। प्राधिकरण के अनुसार रिट याचिका संख्या 365/2022 में पारित आदेश तथा उपजिलाधिकारी सदर न्यायालय के निर्णय के आधार पर संबंधित खातों में दर्ज सभी प्रविष्टियों को निरस्त कर भूमि को पुनः ऊसर-बंजर श्रेणी में दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया और भूमि पर कब्जा लेते हुए प्राधिकरण स्वामित्व का बोर्ड लगवाया।

विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही भूमि

प्राधिकरण के ओएसडी बृजेंद्र उपाध्याय के अनुसार यह भूमि लंबे समय से विवादित एवं अतिक्रमण की चपेट में थी, जिससे सरकारी उपयोग की योजनाएं प्रभावित हो रही थीं। अब कब्जा मिलने के बाद इस भूमि का उपयोग भविष्य में आवासीय योजनाओं, हरित क्षेत्र विकास, सार्वजनिक सुविधाओं तथा आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए किया जा सकेगा। इससे शहर के नियोजित विस्तार को गति मिलने की संभावना है।

कार्रवाई के दौरान भूमि बैंक जोन-2

प्रवर्तन दल तथा तहसील सदर के राजस्व कर्मचारी मौजूद रहे। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि सरकारी एवं प्राधिकरण भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और ऐसी भूमि को मुक्त कर नियोजित विकास में शामिल किया जाएगा।स्थानीय स्तर पर भी इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे न केवल सरकारी संपत्ति सुरक्षित होगी बल्कि शहर के विकास कार्यों के लिए भूमि उपलब्धता बढ़ेगी।

मंधना में भव्य हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मंधना मेला मैदान में 12 फरवरी को हिन्दू सम्मेलन तथा कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, साहित्यकारों तथा क्षेत्रीय नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।मुख्य वक्ता डॉ. विवेक सचान ने ÷हिन्दू समाज में पंच परिवर्तन÷ विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी जीवन शैली तथा नागरिक शिष्टाचार को अपनाए बिना समाज का सुदृढ़ संगठन संभव नहीं है।सम्मेलन में असम से आए महंत भरत भूषण, वनखंडेश्वर मंदिर से भगवती चैतन्या तथा ब्रह्मा कुमारी संस्था से कुसुम दीदी और सरिता दीदी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाटा स्टील से सेवा निवृत्त शिवदत्त त्रिपाठी ने की।कवि सम्मेलन सत्र में शिव मंगल सिंह, शिवाकांत मिश्रा, गुरु प्रकाश तिवारी (सरस), प्रांजुल मिश्रा तथा अर्जिता त्रिपाठी ने ओजपूर्ण तथा राष्ट्रभावना से ओतप्रोत काव्य पाठ कर श्रोताओं को भावविभोर किया और राष्ट्रीय चेतना का संदेश दिया।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक बुद्धि प्रकाश त्रिपाठी, नगर कार्यवाह अक्षय, रामचंद्र, प्रभात, सुमित, दिलीप सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन और सामाजिक सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

नशेबाज से बचने के लिए लगाई ब्रेक, मुंह के बल गिरी महिला की मौत, बेटा घायल

यशोदानगर स्थित शादी समारोह में शामिल हो कर घर लौट रहे थे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। लहराकर चल रहे पल्सर सवार से बचने के लिए बेटे ने अपनी बाइक में ब्रेक लगा दी। इससे मां-बेटे गिरकर घायल हो गए। निजी अस्पताल में गुरुवार सुबह मां ने दम तोड़ दिया। हादसा किदवईनगर थानाक्षेत्र में मंगलवार रात हुआ था।पनकी के रतनपुर निवासी इलेक्ट्रीशियन अमरनाथ सोनी के परिवार में पत्नी रीता सोनी (53), बेटा सौरभ व गौरव हैं। अमरनाथ ने बताया कि मंगलवार रात पत्नी और बेटा सौरभ यशोदानगर स्थित शादी समारोह में शामिल घर लौट रहे थे। किदवईनगर स्थित शनिदेव मंदिर के पास आगे नशे में धुत पल्सर बाइक सवार लहरा रहा था। इस पर सौरभ ने अचानक अपनी बाइक में ब्रेक मार दी। इससे रीता उछलकर मुंह के बल सड़क पर गिरकर लहूलुहान गई। बेटे के भी चोटें आ गईं। निजी अस्पताल में गुरुवार सुबह पत्नी की इलाज के दौरान मौत हो गई। किदवई नगर थानाप्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बिल्हौर फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण में महानिदेशक नेहा शर्मा ने मांगा जवाब

मुंबई में रह रहे चाचा ताऊ की जमीन रजिस्ट्री प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल उठे हैं

रजिस्ट्री प्रक्रिया पर विभागीय जांच शुरु

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। तहसील बिल्हौर के ग्राम बकोठी में सामने आए चर्चित भू-घोटाले मामले में अब स्टांप एवं निबंधन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। विभाग की महानिदेशक नेहा शर्मा ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जवाब तलब किया है।

सूत्रों के अनुसार, महानिदेशक स्तर से जारी पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यह बताया जाए कि जब रजिस्ट्री के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन, पहचान पत्र और गवाहों की पुष्टि अनिवार्य है, तब असली भूमिधरों की अनुपस्थिति में फर्जी व्यक्तियों की पहचान कैसे प्रमाणित हो गई। साथ ही यह भी पूछा गया है कि संबंधित उप-निबंधक कार्यालय में किस स्तर पर लापरवाही या संभावित मिलीभगत हुई।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में संबंधित उप-निबंधक कार्यालय से रजिस्ट्री अभिलेख, बायोमेट्रिक डेटा, गवाहों का विवरण और पहचान दस्तावेजों की प्रतियां तलब कर ली गई हैं।

उच्चाधिकारियों का कहना है कि यदि किसी भी स्तर पर फर्जीवाड़ा या लापरवाही सिद्ध होती है, तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की संस्तुति की जाएगी।

ब्लैकमेलिंग और हिस्सेदारी की साजिश की भी जांच

मामले में सामने आए कथित ब्लैकमेलिंग और लाभ हिस्सेदारी के आरोपों को भी जांच में शामिल किया गया है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि जमीन विवाद में दबाव बनाकर किसी प्रकार की लिखापढ़ी कराई गई है, तो उसे भी कानूनी दृष्टि से जांचा जाएगा।

जिला प्रशासन स्तर पर भी पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तलब की गई है। अधिकारियों के अनुसार, राजस्व अभिलेखों का मिलान कराया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर रजिस्ट्री निरस्तीकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है.

स्थानीय नागरिकों ने विभागीय कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा है कि यदि इस मामले में सख्त कदम उठे, तो क्षेत्र में सक्रिय भू-माफिया गिरोहों पर प्रभावी रोक लग सकेगी।

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई एफआईआर, विभागीय दंड और रजिस्ट्री निरस्तीकरण–पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

कानपुर के एआईजी स्टांप श्याम सिंह बीसेन ने बताया कि मामले की रिपोर्ट मांगी गई है . रिपोर्ट आने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई होगी.

स्वराज इंडिया ने 3 फरवरी के अंक में इस पूरे खेल का खुलासा किया था

40 साल से बाहर रह रहे परिवार की जमीन बेची गई

ज्ञात हो कि ग्राम बकोठी स्थित गाटा संख्या 486 और 488 की कुल 0.3700 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री 30 जुलाई 2025 को कराई गई थी। इसमें विक्रेता के रूप में जिन व्यक्तियों को दर्शाया गया, वे कथित तौर पर फर्जी बताए जा रहे हैं, जबकि असली भूमिधर पिछले 40-45 वर्षों से महाराष्ट्र में रह रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इसी स्थिति का फायदा उठाकर भू-माफियाओं ने कागजों में हेरफेर कर फर्जी रजिस्ट्री करा ली।

शिवपाल यादव का आरोप : यूपी में कानून व्यवस्था का बुरा हाल

सपा विधायक अमिताभ बाजपेई के पुत्र के शादी में पहुंचे शिवपाल यादव

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शिवपाल सिंह यादव शुक्रवार को बिठूर क्षेत्र में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने अमिताभ बाजपेई के पुत्र शिखर को आशीर्वाद देकर सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। कार्यक्रम में सपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की बड़ी मौजूदगी रही। समारोह स्थल पर पहुंचते ही सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर संक्षिप्त चर्चा भी की और इसे एक पारिवारिक एवं सामाजिक अवसर बताया।

सामाजिक सौहार्द का संदेश

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजनों से आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं और समाज में सौहार्द का वातावरण बनता है। समारोह देर शाम तक पारंपरिक रीति-रिवाजों और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम कानपुर के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा का विषय बना रहा। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सहित कांग्रेस नेता अनु टंडन सहित तमाम दिक्कत नेता पहुंचे.

मीडिया से बातचीत में सरकार पर निशाना

मीडिया से बातचीत में शिवपाल सिंह यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और आम जनता असुरक्षित महसूस कर रही है। उनके अनुसार महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार नियंत्रण करने में विफल साबित हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता बदलाव चाहती है और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी मजबूत स्थिति में रहेगी। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया।

शहर से 20 किलोमीटर के दायरे में बनेगी फ्लैटेड फैक्टरी

एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए देखी जा रही जमीन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उद्योगों को सरकार लगातार प्रोत्साहित कर रही है। सरदार वल्लभ भाई पटेल इंप्लायमेंट एंड इण्डस्ट्रियल जोन के लिए शहर के अलग-अलग हिस्सों में जमीन देखी जा रही है। कानपुर में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार के बजट में सरदार वल्लभ भाई पटेल इंप्लायमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की घोषणा की गई है। इसके लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस तरह के जोन प्रदेश के सभी 75 जिलों में प्रस्तावित हैं। इसके लिए शहर में जमीन देखी जा रही है। शहर से 20 किलोमीटर के दायरे में फ्लैटेड फैक्टरी बनेंगी। इस जोन में उद्योग विभाग, लीड बैंक, रोजगार, कौशल विकास से संबंधित कार्यालयों को एक छत के नीचे लाया जाएगा।

इसका उद्देश्य उद्यम स्थापना से लेकर रोजगार मिलने तक की प्रक्रिया को सरल बनाना है।

शासन की मंशा है कि उद्योग स्थापना से जुड़ी प्रक्रिया आसान की जा सके। इसके तहत 100 एकड़ में एक विशेष जोन बनाया जाना है। इसमें उद्योग से संबंधित विशेषज्ञ, कौशल विकास प्रशिक्षण, जिला उद्योग केंद्र, जिला रोजगार कार्यालय, ट्रेनिंग एवं इंटर्नशिप सहायक प्रकोष्ठ, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रकोष्ठ आदि उद्योग से से जुड़े अन्य कार्यालय और लीड बैंक का कार्यालय एक ही स्थान पर होंगे।

रोजगार, स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं इस एक ही जोन में उपलब्ध हों सकेंगी। यहां पर कार्यालय के अतिरिक्त बची भूमि पर रोजगार परक निर्माण इकाइयों या सर्विस इकाइयों की स्थापना कराई जा सकेगी। इसके लिए जिला प्रशासन के सहयोग से भूमि को चिह्नित किया जाएगा। इस जोन में फ्लैटेड फैक्टरी के अलावा मोटर ड्राइविंग ट्रैक के अलावा एआई आदि के शार्ट टर्म कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले मुख्यमंत्री की बैठक हुई थी। इसमें उन्होंने ये जोन शहर के 20 किलोमीटर के दायरे में ही बनाने के निर्देश दिए थे।

» मुंबई स्थित हेडक्वार्टर से सीसीटीवी फुटेज मांगे

कानपुर बैंक विवाद: ऋतु समझौता के लिए तैयार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पनकी स्थित एक निजी बैंक विवाद मामले में ऋतु त्रिपाठी माफी की शर्त पर समझौते को तैयार हैं, जबकि आस्था सिंह अपनी छवि धूमिल होने का हवाला देकर एफआईआर दर्ज कराने पर अड़ी हैं।

कानपुर में पनकी के निजी बैंक में दो महिला कर्मियों के बीच कहासुनी जातिवादी टिप्पणी में एक पक्ष समझौता तो दूसरा एफआईआर पर अड़ा है। गुरुवार को पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया था, जिसमें ऋतु त्रिपाठी आई थीं। उन्होंने पुलिस से कहा कि पहले आस्था सिंह माफी मांगें वह शिकायत वापस लेने के लिए तैयार हैं। वहीं, आस्था सिंह ने पुलिस से कहा कि उनके साथ अभद्रता हुई है। उनकी छवि धूमिल की गई। वह एफआईआर कराएंगी। पुलिस एक दो दिन में बैंक स्टाफ के बयान ले सकती है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का भी इंतजार किया जा रहा है।

पांच से छह दिन पहले सोशल मीडिया पर पनकी के निजी बैंक की महिला कर्मी आस्था सिंह का वीडियो वायरल हुआ। दो दिन बाद उनका दूसरा वीडियो आया जिसमें उन्होंने अपने साथ हुई घटना बताई। उनका कहना था कि वीडियो छह जनवरी 2026 का है। उनके साथ अभद्रता की गई थी, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी थी। उनके वीडियो के बाद बैंक कर्मी ऋतु त्रिपाठी का वीडियो भी आ गया। उन्होंने आस्था सिंह और बैंक के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। वीडियो वायरल होने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है।आस्था सिंह ने बुधवार को पनकी थाने में तहरीर दी जबकि ऋतु त्रिपाठी ने आईजीआरएस में शिकायत की। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि दोनों को बातचीत के लिए बुलाया गया था। गुरुवार को ऋतु त्रिपाठी आई थीं। उन्होंने कहा है कि आस्था सिंह अगर माफी मांगती हैं तो वह समझौते के लिए तैयार हैं।

सम्पादकीय

भारी कर्ज कोई महज संयोग नही

गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि भारत की आत्मा गांव और खेतीकिसानी में बसती है। लेकिन आजादी के बाद भी कृषि क्षेत्र की विसंगतियां व विरोधाभास अंतिम रूप से दूर नहीं हुए। भले ही किसान दमनकारी साहूकारों के चंगुल से किसी हद तक मुक्त हो गए हों, लेकिन धीरे-धीरे सरकारी, सहकारी और अन्य वित्तीय संस्थानों के कर्ज तले दबते चले गए। फिलहाल सकारात्मक पक्ष यह है कि केंद्र सरकार रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, डिजिटल तकनीकों से खेती के तौर-तरीकों में बदलाव और ऋण विस्तार को आसान बनाने के लिये प्रयत्नशील है। लेकिन नकारात्मक पक्ष यह है कि किसान कर्ज के दुश्चक्र में फंसता जा रहा है। यह कड़वी सच्चाई हाल रिपोर्ट से प्रकाश में आए आंकड़ों से उजागर हुई है। पिछले दिनों प्रकाशित रिपोर्ट में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि अनाज के भंडार के रूप से प्रसिद्ध राज्य पंजाब व हरियाणा के किसान देश के सबसे ज्यादा ऋणग्रस्त राज्यों में शुमार हैं। हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार पंजाब व हरियाणा में प्रति कृषि परिवार पर 2.03 लाख और 1.83 लाख रुपये का ऋण बकाया है। जो देश में सबसे ज्यादा ऋण लेने वाले राज्यों में तीसरा व चौथा स्थान बनता है। यह स्थिति तब है जब ऋण का यह राष्ट्रीय औसत 74, 121 रुपये है। केवल आंध्र प्रदेश और केरल में ही इससे अधिक ऋण का बोझ दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर नागालैंड, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि ऋण नगण्य ही है। यह स्थिति भारतीय कृषि में गहरे संरचनात्मक असुंतलन को ही उजागर करती है। निस्संदेह, पंजाब और हरियाणा में किसान परिवारों पर भारी कर्ज कोई महज संयोग नहीं है। निर्विवाद रूप से पंजाब व हरियाणा ने देश में हरित क्रांति का नेतृत्व किया है। इन राज्यों ने समय की जरूरत के हिसाब से बहुउपयोगी कृषि को अपनाया है और भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ बने हैं। मगर विषम परिस्थितियों के चलते इसका अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाया।लेकिन यह एक हकीकत है कि हाल के दशकों में खेती का यह मॉडल काफी दबाव में आ गया है। खेती-किसानी की लगातार बढ़ती लागत, स्थिर कृषि आय, छोटी और खंडित भू-जोत, अनियमित मानसून, खरीद प्रक्रिया में देरी और बढ़ते घरेलू खर्च ने ऋण पर निर्भरता का दुश्चक्र स्थापित कर दिया है। इसमें दो राय नहीं कि देश में संस्थागत ऋण की आसान उपलब्धता ने इन राज्यों में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया है। लेकिन यह भी एक कड़वी हकीकत है कि ऋण की सहज उपलब्धता ने किसानों के जीवनयापन के साधन के रूप में उधार लेने की प्रक्रिया को सामान्य स्थिति बना दिया है। किसान खेती-किसानी की जरूरतों से इतर भी बड़े पैमाने पर ऋण लेने लगे। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार दावा करती रही है कि वह किसानों के हितों को हमेशा ही प्राथमिकता देती रही है। किसानों के जीवन में बदलाव के लिये 84.8 करोड़ किसानों के लिये डिजिटल आईडी, भौगोलिक संदर्भ पर आधारित फसल सर्वेक्षण और सुव्यवस्थित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से दक्षता और पारदर्शिता का वायदा किया जा रहा है। भारत के केंद्रीय बैंक आरबीआई द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना में प्रस्तावित सुधार- फसल चक्र के साथ ऋण की अवधि को संरेखित करना- इस बात का संकेत है कि ऋण को बदलती कृषि परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी और बेहतर ढंग से डिजाइन किए गए ऋण स्वागत योग्य कदम है। लेकिन ये प्रावधान अकेले ही गहरी जड़ें जमा चुके ऋण संकट की समस्या को दूर नहीं कर सकते हैं। हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार पंजाब व हरियाणा में प्रति कृषि परिवार पर 2.03 लाख और 1.83 लाख रुपये का ऋण बकाया है। जो देश में सबसे ज्यादा ऋण लेने वाले राज्यों में तीसरा व चौथा स्थान बनता है। यह स्थिति तब है जब ऋण का यह राष्ट्रीय औसत 74, 121 रुपये है। केवल आंध्र प्रदेश और केरल में ही इससे अधिक ऋण का बोझ दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर नागालैंड, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि ऋण नगण्य ही है। यह स्थिति भारतीय कृषि में गहरे संरचनात्मक असुंतलन को ही उजागर करती है। निस्संदेह, पंजाब और हरियाणा में किसान परिवारों पर भारी कर्ज कोई महज संयोग नहीं है। निर्विवाद रूप से पंजाब व हरियाणा ने देश में हरित क्रांति का नेतृत्व किया है।

को खोलना यानी बवंडर को निमंत्रण देना

डा0 सुधीर कुमार

भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी।इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा।

हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे।भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है।किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों,सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे,क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा। भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है।

चीन भी आ गया लाइन पर भारत के दावे का किया समर्थन

सामरिक दृष्टि

पुष्परंजन

करीब 4 वर्ष तक चले पूर्वी लद्दाख गतिरोध ने दोनों देशों के संबंधों को झकझोर दिया था। उसके बाद हुए सीमा समझौते और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के फल अब सामने आने लगे हैं। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही व्यापक रिश्तों की बुनियाद है।भारत और चीन के बीच रिश्तों की जमी बर्फ अब पिघलने लगी है और यह बदलाव केवल सीमा तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि व्यापार, कूटनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन तक फैलता नजर आ रहा है। नई दिल्ली में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और चीन के कार्यकारी उप विदेश मंत्री मा झाओशु के बीच हुई सामरिक संवाद बैठक ने यह साफ कर दिया कि दोनों देश टकराव की लंबी थकान के बाद अब ठोस लाभ की राह तलाश रहे हैं। बातचीत का मुख्य आधार रहा व्यापारिक रिश्तों को आगे बढ़ाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखना।

हम आपको याद दिला दें कि करीब 4 वर्ष तक चले पूर्वी लद्दाख गतिरोध ने दोनों देशों के संबंधों को झकझोर दिया था। उसके बाद हुए सीमा समझौते और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के फल अब सामने आने लगे हैं। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही व्यापक रिश्तों की बुनियाद है। इसी सोच के साथ द्विपक्षीय व्यापार से जुड़ी अड़चनों को राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से सुलझाने पर जोर दिया गया।बैठक में वायु सेवा समझौते को जल्द नया रूप देने, जन से जन संपर्क बढ़ाने और प्रवेश अनुमति पत्र प्रक्रिया को सरल बनाने पर सहमति बनी। कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भरोसे की बहाली का संकेत माना गया और इसके दायरे को आगे बढ़ाने की आशा जताई गई। सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात रही चीन का यह कहना कि वह भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की आकांक्षा को समझता और उसका सम्मान करता है। यह रुख पहले के ठंडे या विरोधी रवैये से अलग माना जा रहा है। सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं और हर एक के पास वीटो शक्ति है। ऐसे में किसी नए स्थायी

सदस्य के रास्ते में इन पांचों की सहमति निर्णायक होती है। पहले चार स्थायी सदस्यों ने अलग अलग समय पर भारत के दावे का समर्थन जताया है, जबकि चीन का रुख अस्पष्ट या ठंडा रहा। अब बीजिंग की यह नरमी नई चर्चा को जन्म दे रही है।चीन ने यह भी कहा कि बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति में दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी साझेदार के रूप में देखना चाहिए। दोनों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, ग्लोबल साउथ की एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात दोहराई। साथ ही भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता और भारत में होने वाली ब्रिक्स शिखर बैठक के लिए चीन ने समर्थन जताया।यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत ने अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते आगे बढ़ाए हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविध बना रहा है। ऐसे में चीन का भारत की ओर व्यापार और कूटनीति का हाथ बढ़ाना केवल सद्भाव नहीं, बल्कि रणनीति भी माना जा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं यदि टकराव कम कर सहयोग बढ़ाती हैं, तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व का शक्ति गणित बदल सकती हैं।पिछले छह महीनों में भारत चीन संबंधों में जो सुधार दिखा है, उसमें शीर्ष नेतृत्व की मुलाकातें, सैन्य स्तर पर संवाद और आर्थिक संपर्क की बहाली शामिल है। हालांकि अविश्वास पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, पर संवाद की पटरी पर लौटना अपने आप में बड़ा बदलाव है।

देखा जाये तो भारत चीन रिश्तों में यह नरमी केवल दोस्ती की कहानी नहीं, बल्कि कठोर यथार्थ की राजनीति है। अमेरिका के साथ भारत के बढ़ते व्यापार और सामरिक समीकरण ने बीजिंग को संकेत दिया है कि नई दिल्ली अब विकल्पों से भरपूर है। ऐसे में चीन का लहजा बदलना स्वाभाविक भी है और मजबूरी भी। वह नहीं चाहता कि भारत पूरी तरह पश्चिमी खेमे की ओर झुक जाए और एशिया में उसके लिए संतुलन बिगड़ जाए।भारत के लिए भी यह मौका है, पर खतरे से खाली नहीं। चीन के शब्द मधुर हो सकते हैं, पर उसकी नीति हमेशा अपने हित के इर्द गिर्द घूमती है। सीमा पर शांति की बात स्वागत योग्य है, पर जमीन पर सख्त चौकसी ढीली नहीं पड़नी चाहिए। इतिहास बताता है कि भरोसा और सतर्कता दोनों साथ साथ चलाने पड़ते हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पर चीन का नरम संकेत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके बिना सुधार की गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकती। लेकिन केवल समझने और सम्मान करने से काम नहीं चलेगा, खुला और स्पष्ट समर्थन ही असली कसौटी होगा।बहरहाल, यदि भारत और चीन सच में प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित कर सहयोग का रास्ता निकाल लेते हैं, तो इसके वैश्विक और क्षेत्रीय भूराजनीतिक निहितार्थ गहरे होंगे। एशिया में तनाव घट सकता है, आपूर्ति श्रृंखलाएं स्थिर हो सकती हैं और ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत हो सकती है।

शिवराजपुर में नाबालिग किशोर ने फांसी लगाकर दी जान

रात में छोटे भाई ने शव लटकता देखा, सूचना पर पहुंची पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। शिवराजपुर थाना क्षेत्र के ब्रजवासिनी गांव में देर रात एक नाबालिग किशोर ने घर के भीतर फंदा लगाकर जान दे दी। घटना का पता तब चला जब छोटा भाई रात में उठा और उसे लटकता देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आत्महत्या के कारणों की जांच जारी है।

परिजनों के अनुसार, किशोर मजदूरी कर परिवार की मदद करता था। परिवार में मां और दो भाई हैं। पिता का करीब पांच वर्ष पहले बीमारी से निधन हो चुका है। बुधवार रात सभी लोग भोजन के बाद सो गए थे। इसी दौरान किशोर ने घर के छप्पर की धन्नी से दुपट्टे के सहारे फंदा लगा लिया।

रात में छोटा भाई जब उठा तो घटना

➪ आत्महत्या के कारणों पर अब तक कुछ नहीं पता चला

देखकर शोर मचा दिया। आवाज सुनकर परिवार और आसपास के लोग जुट गए। ग्रामीणों ने आपात सेवा नंबर 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि कंट्रोल रूम से

- ब्रजवासिनी गांव की देर रात की घटना
- छोटा भाई जागने पर देख सका घटना
- पिता का पहले हो चुका है निधन
- परिवार मजदूरी कर चलाता है घर
- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा
- आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

सिंचाई के पानी को लेकर विवाद में किसान से मारपीट जान से मारने की धमकी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। थाना क्षेत्र के ग्राम मकरन्दनिवादा में सिंचाई के पानी को लेकर हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। एक किसान ने गांव के दो लोगों पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित किसान रामनिवास पुत्र बलराम के अनुसार 12 फरवरी की सुबह करीब 9 बजे वह अपने खेत में आलू की फसल की सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान खेत में लगा प्लास्टिक पाइप किसी अज्ञात वाहन के पहिए से फट गया, जिससे पानी सड़क की ओर बहने लगा। हाल ही में बनी सीमेंटेड सड़क के किनारे मिट्टी कटने लगी, जिसे किसान ने मौके पर पहुंचकर मिट्टी डालकर रोक दिया।

आरोप है कि उसी दिन शाम करीब 4 बजे जब वह घर से खेत जा रहा था, तभी गांव के आशाराम और उसके पुत्र मिथलेश ने रास्ते में रोक लिया। दोनों ने सड़क खराब

➪ शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए

करने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर थप्पड़, लात-घूंसों और बेल्ट से मारपीट की गई। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए। जाते समय दोबारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पीड़ित ने पुलिस से सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तहसील से गायब बाइक कोतवाली के पास लावारिस मिली

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता शुभांशु कटियार की तहसील परिसर से गायब हुई बाइक बुधवार शाम को कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर लावारिस हालत में खड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाल सुधीर कुमार ने बताया कि बाइक यहां किसने खड़ी की, इसकी पड़ताल की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।उधर, बीआरसी कार्यालय में लगे कैमरे केवल 'शो पीस' साबित हुए। पीड़ित के अनुसार कैमरों में रिकॉर्डिंग की व्यवस्था ही नहीं थी, जिससे घटना कैद नहीं हो सकी।

थानों का औचक निरीक्षण कर दिए कई निर्देश

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा ने शुक्रवार को थाना घाटमपुर, सजेती और नौबस्ता क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साइबर डेस्क, सीसीटीएनएस कार्यालय और थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस मौके पर दीपेन्द्र नाथ चौधरी, पुलिस उपायुक्त दक्षिण, सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अभिलेखों, लंबित प्रकरणों और साइबर शिकायतों की समीक्षा की। संबंधित थाना प्रभारियों और कर्मचारियों को कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान थाना परिसरों की स्वच्छता, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव और शिकायत निस्तारण की गति

पर विशेष जोर दिया। आवश्यक सुधार के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। आगामी महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए स्थानीय गणमान्य लोगों से भी संवाद किया गया। कानून-व्यवस्था मजबूत रखने और त्योहार के दौरान शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा हुई। पुलिस प्रशासन ने त्योहार के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने का आश्वासन दिया।

संस्कृति की रक्षा केवल संस्कार से ही हो सकती

स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। नारायण सेवा आश्रम के अंतर्गत 21वें संस्कार महा महोत्सव में 11 बटुको का उपनयन संस्कार किया गया। साथ ही आचार्य सम्मान समारोह का का भी आयोजन हुआ जिसमें सनातन धर्म के प्रति रक्षा केवल एकमात्र कहने की बात नहीं है। इसको उतारना और सनातन संस्कृति का अक्षरशः पालन करना हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिए इस पर विशेष रूप से चर्चा हुई

➪ संस्कार महा महोत्सव में 11 बटुको का उपनयन संस्कार किया गया

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में ज्योतिषाचार्य के ए दुबे पद्मेश जी उपस्थित रहे कार्यक्रम संयोजक और नारायण सेवा आश्रम के महामंत्री पंडित राम जी त्रिपाठी ने बताया कि संस्कार युक्त जीवन हमारे जीवन का प्रथम एवं एक मात्र दायित्व में से एक है। साथ ही कहा कि संस्कृति की रक्षा भी केवल संस्कार से ही हो सकती है ,इस मौके पर संपूर्ण कानपुर शहर एवं देहात तथा ग्रामीण से बड़ी संख्या में आचार्य गण सम्मेलन में मुख्य रूप से नारायण सेवा आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष गणेश तिवारी कोषाध्यक्ष राजीव त्रिपाठी उपाध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा मौजूद रहे । आचार्यों ने सभी बटुकों को अपना आशीष प्रदान किया ।कार्यक्रम का संचालन पं. शिवम त्रिपाठी द्वारा किया गया।

फर्जी कागजात से कृषि भूमि बिक्री प्रकरण में एक और गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर तहसील क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए दूसरे की कृषि भूमि का सौदा करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस प्रकरण में अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है। नानामऊ गांव निवासी निशांत कुमार ने बीते दिसंबर माह में बिल्हौर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि उनकी कृषि भूमि (आरा संख्या 502) का मुआयना करने पर पता चला कि जमीन का फर्जी तरीके से बैनामा कर दिया गया है। जांच में सामने आया कि गांव के अविरल सिंह ने कथित तौर पर पीड़ित के स्थान पर अपनी फोटो लगाकर कूटरचित दस्तावेज तैयार किए और उसी आधार पर जमीन का सौदा कर दिया।

बताया गया कि इस मामले में शिवराजपुर निवासी रौनक शुक्ला और नानामऊ निवासी रवि कुमार ने साक्षी बनकर सहयोग किया और कथित रूप से झूठी गवाही दी। पुलिस ने गुरुवार को रवि कुमार को नानामऊ गंगा तट स्थित मौनी आश्रम के पास से गिरफ्तार कर

➪ तीन आरोपी जेल में, एक आरोपी अब भी फरार, पुलिस कर रही तलाश

लिया।

आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अविरल सिंह और जमीन के खरीदार अभिनव मिश्रा को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जबकि सहआरोपी रौनक शुक्ला अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

नई आबकारी नीति को मंजूरी 1 अप्रैल से देशी शराब महंगी

विदेशी और प्रीमियम शराब की दरों में कोई संशोधन नहीं किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

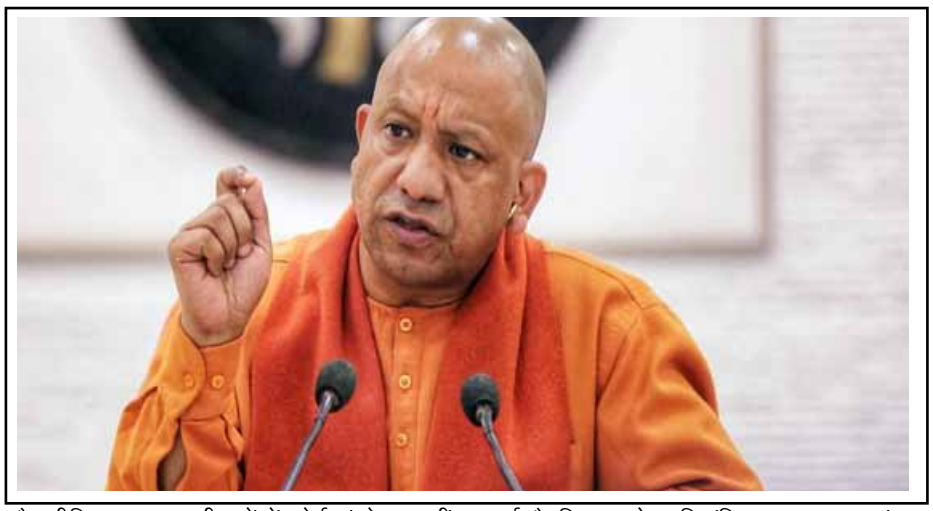

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था 1 अप्रैल से लागू होगी, जिसके तहत देशी शराब के दामों में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। सरकार के फैसले के बाद देशी शराब के शौकीनों को अब ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी, जबकि अन्य श्रेणी की शराब के दाम फिलहाल यथावत रहेंगे।

नई नीति के मुताबिक 36 प्रतिशत अल्कोहल वाली देशी शराब की कीमत में करीब 5 रुपये तक की बढ़ोतरी होगी। वर्तमान में 165 रुपये में मिलने वाली बोतल की कीमत बढ़कर लगभग 173 रुपये तक पहुंच सकती है। हालांकि विदेशी और प्रीमियम शराब की दरों में कोई संशोधन नहीं किया गया है।

नीति में शहरी क्षेत्रों के लिए अलग प्रावधान भी किए गए हैं। शहरों में देशी शराब की दुकानों का कोटा घटाया जाएगा, जिससे बिक्री और वितरण पर नियंत्रण रखा जा सके। सरकार का तर्क है कि इससे अनियंत्रित खपत पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया को भी अधिक पारदर्शी बनाया गया है। अब फुटकर शराब दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी प्रणाली के जरिए किया जाएगा, जिससे मानवीय हस्तक्षेप और विवाद की संभावना कम होगी।

1 अप्रैल से नई आबकारी नीति लागू

- देशी शराब के दाम में 95 रुपये तक बढ़ोतरी
- 36प्रतिशत अल्कोहल वाली देशी शराब होगी महंगी
- अन्य शराब श्रेणियों के दाम यथावत
- शहरी क्षेत्रों में देशी शराब का कोटा घटेगा
- फुटकर दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी से होगा

समाजवादी पार्टी के टीवी पैनललिस्ट मनोज यादव गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी से जुड़े स्थानीय नेता मनोज यादव की गिरफ्तारी के मामले में ताजा अपडेट सामने आया है। दलित महिला से मारपीट, छेड़छाड़ और धमकी देने के आरोप में दर्ज मुकदमे के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

यह मामला बाराबंकी जनपद के शब्दलगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि मनोज यादव ने उसके साथ अभद्रता की, विरोध करने पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अनुसूचित जाति-जनजाति अधिनियम समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के बाद से आरोपी की तलाश की जा रही थी। सर्विलांस और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल परीक्षण और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

मुख्तार गिरोह के शूटर शोएब किदवई की बाराबंकी में दिनहाड़े हत्या

बाइक सवार हमलावरों ने उसकी कार को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। माफिया सरगना मुख्तार अंसारी से जुड़े बताए जा रहे शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार हमलावरों ने उसकी कार को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके को सील कर फॉरेंसिक जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार घटना बाराबंकी के कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असैनी मोड़ के पास हुई। शोएब किदवई कार से लखनऊ से बाराबंकी की ओर जा रहा था। हाईवे से करीब 100 मीटर आगे बढ़ते ही दो बाइक सवार बदमाशों ने उसकी कार को ओवरटेक कर रोकने की कोशिश की और देखते ही देखते पिस्टल से अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं।सूत्रों के मुताबिक हमलावरों ने 25 से अधिक राउंड फायर किए। कार के शीशे और बॉडी पर कई गोलियों के निशान मिले हैं। फायरिंग के बाद आरोपी बाइक से अयोध्या की दिशा में फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल शोएब को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से खोखे और अन्य साक्ष्य बरामद किए गए हैं। फॉरेंसिक टीम ने सैंपल जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।मौके पर पहुंचे आईजी प्रवीण कुमार, डीएम और एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर टीमों को जल्द खुलासे के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार मृतक पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े कई मुकदमे दर्ज थे। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश और गैंगवार का एंगल सामने आ रहा है। सूत्र बताते हैं कि मुख्तार अंसारी की मौत के बाद गिरोह से जुड़े लोगों के बीच वर्चस्व को लेकर तनाव चल रहा था। पुलिस सभी आपराधिक और आपसी रंजिश के पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पंचायत चुनाव को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में हलचल

तैयारियां पूरी, आरक्षण प्रक्रिया के बाद कभी भी हो सकती है घोषणा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जारी हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य पूरा हो चुका है और तहसील स्तर पर बैलेट पेपर भी पहुंच गए हैं। कुछ आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया अभी चल रही है। पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन और आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया आगे बढ़ने के बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित होने की संभावना जताई जा रही है।ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित प्रत्याशी सक्रिय हो गए हैं और जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। गांवों में चुनावी चर्चा बढ़ गई है। हालांकि जनगणना, विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) और आरक्षण से जुड़ी प्रक्रियाओं के कारण चुनाव कार्यक्रम पहले तय समय से आगे खिसक गया है। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र में क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य और ग्राम पंचायत सदस्य पदों के लिए चुनाव होना है। मतदान के दौरान मतदाताओं को चार अलग-अलग पदों के लिए बैलेट पेपर दिए जाने की तैयारी की गई है। प्रशासन संवेदनशील ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा भी तैयार कर रहा है।

एक नजर में..

- पंचायत चुनाव की तैयारियां जारी
- मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य पूरा
- तहसीलों में बैलेट पेपर पहुंच चुके
- कुछ आपत्तियों का निस्तारण शेष
- पिछड़ा वर्ग आयोग गठन के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ी
- संभावित प्रत्याशी जनसंपर्क में जुटे
- चार पदों के लिए अलग-अलग बैलेट पेपर से मतदान
- कई ग्राम पंचायतें संवेदनशील श्रेणी में चिन्हित
- चुनाव तिथि की घोषणा कभी भी संभव

महाशिवरात्रि पर धर्मगढ़ बाबा मंदिर में तैयारियां अंतिम दौर में

हजारों श्रद्धालुओं के उमड़ने की उम्मीद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद। हाशिवरात्रि पर्व को लेकर क्षेत्र के प्रसिद्ध धर्मगढ़ बाबा मंदिर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई, सजावट, बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी महाशिवरात्रि पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बना यह मंदिर एक ऊंचे टीले पर स्थित है और दूर-दराज के जिलों से भी श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां दर्शन और जलाभिषेक से मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है। मंदिर समिति, सत्संग मंडल और प्रशासन ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं की कमान संभाल ली है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सावन मास में भी यहां बड़ा कांवड़ मेला लगता है। बता दें कि सावन के प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालु ब्रह्मावर्त घाट से गंगाजल लाकर बाबा का जलाभिषेक करते हैं। महाशिवरात्रि और सावन के अंतिम सोमवार पर विशेष भीड़ देखी जाती है। इसके अलावा क्षेत्र के जमथर खेड़ा स्थित यमदग्नि आश्रम में भी महाशिवरात्रि के अवसर पर मेला और धार्मिक आयोजन होंगे, जिसकी तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

यह प्रमुख व्यवस्थाएं की गईं

- मंदिर परिसर की विशेष सजावट और प्रकाश व्यवस्था
- जलाभिषेक के लिए अलग कतार और मार्ग निर्धारण
- भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग
- पुलिस बल की तैनाती और निगरानी
- पेयजल व प्रसाद वितरण की व्यवस्था

रसूलाबाद तहसील में लॉजिकल समस्याओं के निस्तारण को बैठक, नोटिस वितरण तेज

मतदाता सहायता केंद्रों पर बैठने के निर्देश, घबराने की जरूरत नहीं:एसडीएम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान सामने आई लॉजिकल समस्याओं के निस्तारण को लेकर रसूलाबाद तहसील में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। एसआईआर प्रक्रिया के बाद बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता चिन्हित हुए थे, जिनकी वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सकी थी। ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं।इसके अतिरिक्त जिन मतदाताओं की आयु, नाम या माता-पिता के नाम में विसंगतियां पाई गईं, उन्हें भी सत्यापन के लिए नोटिस भेजे गए हैं। नोटिस को लेकर क्षेत्र में भ्रम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने स्पष्टीकरण जारी किया है।

बैठक में उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह ने बीएलओ और सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि सभी मतदाता सहायता केंद्रों पर नियमित रूप से बैठकर लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि नोटिस मिलने पर मतदाता घबराएं नहीं, यह केवल रिकॉर्ड दुरुस्ती और सत्यापन की प्रक्रिया का हिस्सा है।तहसील के विभिन्न कक्षों में नोटिस संबंधी मामलों की सुनवाई जारी है। तार्किक त्रुटियों को दूर करने के लिए चकबंदी विभाग के अधिकारी, संबंधित लेखपाल और बीएलओ संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे जरूरी दस्तावेजों के साथ सहायता केंद्रों पर पहुंचकर अपने विवरण का सत्यापन कराएं, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सके।

तीन चरणों में होगी प्रक्रिया

- पहले चरण में बीएलओ ऐप पर विवरण की फीडिंग
- दूसरे चरण में तहसील/ब्लॉक स्तर पर जांच
- तीसरे चरण में एईआरओ द्वारा सत्यापन और अंतिम निर्णय

कल्याणपुर में चाय बनाते समय सिलेंडर फटा, पड़ोसी सहित चार लोग झुलसे

एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू, सभी घायलों को उर्सला रेफर

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। तेज धमाके के साथ हुए विस्फोट के बाद घर में भीषण आग लग गई। हादसे में परिवार की तीन महिलाओं समेत पड़ोसी कुल चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आवास विकास क्षेत्र निवासी तपन मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में मां माया देवी, पत्नी ज्योति और बेटी विशाखा हैं। तपन के अनुसार गुरुवार शाम पत्नी ज्योति रसोई में चाय बना रही थीं, तभी गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण अचानक आग लग गई। परिवार के लोग बाहर निकल पाते, उससे पहले सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया और आग पूरे घर में फैल गई।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। आग बुझाने के प्रयास में मां माया देवी, पत्नी ज्योति और पड़ोसी महेश श्रीवास्तव भी झुलस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत 112 नंबर पर सूचना दी।

सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सिलेंडर लीकेज के बाद विस्फोट से आग लगने की बात सामने आई है। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। चारों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद उर्सला अस्पताल रेफर किया गया है।

पिपौरी में पुस्तैनी जमीन पर कब्जे का आरोप, एसडीएम के निर्देश पर जांच शुरू

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना गुजैनी क्षेत्र के ग्राम पिपौरी में अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति की पुस्तैनी जमीन पर कथित अवैध कब्जा और पक्का निर्माण का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित नंदराम पुत्र स्व. सूबेदार, निवासी ग्राम पिपौरी, तहसील सदर, कानपुर के रहने वाले हैं। उनके अनुसार मेन रोड पर स्थित लगभग 450 वर्ग मीटर कृषि योग्य पुस्तैनी भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है।

नंदराम ने बताया कि 26 जनवरी 2026 को स्थानीय पुलिस चौकी में शिकायत देने पर चौकी प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया था, लेकिन 6 फरवरी 2026 से दोबारा निर्माण शुरू करा दिया गया। इससे प्रशासनिक आदेशों की खुली अवहेलना का आरोप लग रहा है।

पीड़ित ने पूर्व में भी उपजिलाधिकारी सदर को लिखित शिकायत दी थी, परंतु कार्रवाई न होने पर 12 फरवरी को उन्होंने पुनः उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह को विस्तृत प्रार्थना पत्र सौंपा। उपजिलाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए राजस्व निरीक्षक को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। वर्तमान में लेखपाल मौके पर पहुंचकर स्थिति की जांच कर रहे हैं।

पीड़ित ने जिलाधिकारी से भी लिखित शिकायत कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कानूनी जानकारों के अनुसार अनुसूचित जाति की भूमि का अंतरण सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता। साथ ही किसी भी भूमि पर निर्माण से पहले दाखिल-खारिज, भूमि उपयोग परिवर्तन तथा संबंधित विभागों की स्वीकृति अनिवार्य होती है।

यह मामला केवल भूमि विवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि पुस्तैनी जमीन पर कथित कब्जा, नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। अब देखना होगा कि जांच के बाद प्रशासन दोषियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई करता है।

चार दिन में सोना 4 हजार और चांदी 21,000 रुपए गिरी

सर्राफा बाजार में नरमी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। सर्राफा बाजार में पिछले चार दिनों के दौरान सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बाजार से जुड़े प्रतिनिधियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय संकेतों और डॉलर को मिल रहे समर्थन के कारण कीमती धातुओं पर दबाव बना है।

अखिल भारतीय स्वर्ण कार विकास परिषद के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जायसवाल ने बताया कि चार दिन के भीतर सोने के भाव में करीब 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी में लगभग 21,000 रुपए प्रति किलो की गिरावट आई है। 9 फरवरी 2026 को चांदी का भाव लगभग 2,72,000 रुपए प्रति किलो और सोना 1,62,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 13 फरवरी 2026 को बाजार खुलने पर चांदी घटकर करीब 2,51,000 रुपए प्रति किलो और सोना 1,58,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। कारोबारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव और डॉलर को मिले समर्थन से यह गिरावट देखने को मिली है। आगे भी कीमतों में नरमी की संभावना जताई जा रही है।

- चार दिन में सोना करीब 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता
- चांदी लगभग 21,000 रुपए प्रति किलो टूटी
- 9 फरवरी- सोना 1,62,000, चांदी 2,72,000 रुपए
- 13 फरवरी- सोना 1,58,000, चांदी ?2,51,000 रुपए
- अंतरराष्ट्रीय बाजार और डॉलर मजबूती का असर
- आगे भी भाव में गिरावट की संभावना जताई गई

वित्तीय अनियमितता और ट्रांसफर-पोस्टिंग में धांधली

एसई और लिपिक निलंबित

शासन की बड़ी कार्रवाई से विभागीय हलकों में हड़कंप मचा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। बिजली विभाग में वित्तीय अनियमितता और ट्रांसफर-पोस्टिंग में धांधली के गंभीर आरोपों के बाद शासन ने कड़ा कदम उठाते हुए अधीक्षण अभियंता अजय कुमार और उनके कार्यालय के लिपिक रविंद्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों अधिकारियों को निलंबन के बाद मुख्य अभियंता कार्यालय, बांदा से संबद्ध किया गया है। कार्रवाई से विभागीय हलकों में हड़कंप मच गया है।

मामले की शिकायत मुकेश राजपूत ने शासन स्तर पर की थी। शिकायत में टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता, मनमाने तरीके से कार्य आवंटन और तबादलाङ्कपोस्टिंग में पक्षपात के आरोप लगाए गए थे। जांच में करीब 15.02 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता की पुष्टि हुई है।

जांच रिपोर्ट के अनुसार अधीक्षण अभियंता पर आरोप है कि उन्होंने नियमों को दरकिनार कर अपने चहेतों को लाखों रुपये के कार्य दिए। साथ ही ट्रांसफर-पोस्टिंग में भी बड़े पैमाने पर मनमानी की गई। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की छंटनी में भी पक्षपात करते हुए 18 कर्मियों की सेवाएं समाप्त करने का मामला सामने आया।

मामले को जिले के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह के समक्ष भी उठाया गया था।

इसके बाद जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। शासन स्तर पर भी समानांतर जांच कराई गई।

दोनों जांच समितियों की रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि होने पर शासन ने निलंबन की कार्रवाई की मुहर लगा दी। फिलहाल पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है।

- 15 लाख से अधिक की वित्तीय अनियमितता उजागर
- टेंडर प्रक्रिया में नियम विरुद्ध कार्य आवंटन
- ट्रांसफर-पोस्टिंग में पक्षपात के आरोप सही पाए गए
- सांसद की शिकायत पर गठित हुई थी जांच कमेटी
- निलंबित अधिकारी बांदा मुख्य अभियंता

बलिया में केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का आरोप

- चार साल तक पढ़ाई के बहाने संपर्क, शादी का झांसा और धमकी देने का आरोप
- मां की तहरीर पर पॉक्सो सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा, जेल भेजा गया आरोपी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बलिया। जिले के जीराबस्ती स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में तैनात एक शिक्षक को नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। परिजनों की शिकायत पर दर्ज मुकदमे के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी शिक्षक नित्यानंद उपाध्याय (33) मूल रूप से अंबेडकरनगर जिले के राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है और करीब चार वर्ष पहले विद्यालय में स्थायी नियुक्ति हुई थी। आरोप है कि छात्रा जब कक्षा पांच में थी, तभी से उसने पढ़ाई में मदद और अतिरिक्त मार्गदर्शन के नाम पर नजदीकी बढ़ाई। बाद में शादी का झांसा देकर उसका शोषण करता रहा और किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देता था।बताया गया कि हाल में आरोपी की शादी कहीं और तय होने की जानकारी मिलने पर छात्रा ने विरोध जताया। इसके बाद शिक्षक ने कथित तौर पर उसे और डराया-धमकाया। डरी हुई छात्रा ने पूरी बात अपनी मां को बताई, जिसके बाद परिवार थाने पहुंचा। मां की तहरीर पर दुष्कर्म, धमकी और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। मामले की विवेचना जारी है। घटना के बाद अभिभावकों में रोष है और विद्यालयों में सुरक्षा व निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठी है।

अरविंद की मौत को लेकर चला 17 घंटे जमकर बवाल

वह 21 घंटे बाद घर लौटा, पुलिस से बोला- बाग में सो गया था

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मुरादाबाद। दीवान शुगर मिल में मजदूर अरविंद कुमार के गन्ना चेन में गिरकर पिसने की अफवाह से हड़कंप मच गया। इसके बाद परिवार-किसान संगठनों और पुलिस-प्रशासन ने मिल में जांच की। करीब 21 घंटे बाद वह घर पहुंच गया। पुलिस ने दोनों भाइयों से पूछताछ कर रही है।

दीवान शुगर मिल में मंगलवार की रात को 12 बजे मजदूर अरविंद के गन्ना चेन में गिरने का हल्ला मचा। अरविंद के साथ काम करने वाले उसके बड़े भाई जितेंद्र ने तो यहां तक बताया कि उसने भाई को चेन में गिरते हुए देखा था। चेन बंद कराने के लिए अफसरों से कहा भी लेकिन चेन बंद नहीं की गई। जब अरविंद के घर वाले और आसपास के ग्रामीण पहुंचे तो चेन को बंद कराया गया।भारी फोर्स की मौजूदगी में जगह-जगह जांच हुई। लेकिन कहीं सुराग नहीं लगा। घर वाले कहते रहे कि अरविंद चेन में गिरकर पिस गया है। परिवार वाले भी सारा दिन बिलखते रहे। लेकिन बृहस्पतिवार की सुबह करीब पांच बजे पूरे 21 घंटे के बाद वह वापस लौट आया। पुलिस को बताया कि वह चीनी मिल के पास में ही एक बाग में जाकर सो गया था। जब हंगामा होते देखा तो घबराकर छिप गया।दरअसल मझोला थानाक्षेत्र के उत्तमपुर बहलोलपुर निवासी अरविंद कुमार और उसका बड़ा भाई जितेंद्र दीवान शुगर मिल में काम करते हैं। मंगलवार की रात करीब 12 बजे गन्ना कैरियर के पास गन्ना चेन पर दोनों काम कर रहे थे। इसी दौरान जितेंद्र ने शोर मचा दिया था कि उसका भाई चेन में गिर गया है। हालांकि ऑपरेटर ने मशीन बंद नहीं की थी।मिल वाले ऐसी किसी घटना से इन्कार करते रहे लेकिन जितेंद्र कहता रहा कि उसका भाई चेन में गिर गया है। कुछ ही देर में उसने अपने परिवार वालों को बुला लिया। सुबह होते होते आसपास के किसान पहुंच गए। भाकियू नेता समेत कई संगठनों के पदाधिकारियों ने मिल में डेरा जमा लिया। मिल पर आरोप गूंजने लगे।जितेंद्र कहता रहा कि उसने चेन बंद करने के लिए कहा था मगर उसकी सुनी नहीं गई। उसका भाई गन्ने के साथ पिस गया है। कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। चेन की चेकिंग की गई। भूसी का ढेर तक खंगाला गया। फोरेंसिक टीम भी साक्ष्य इकट्ठा करती रही। डॉग स्क्वाड भी बुला लिया गया। शाम को पांच बजे के करीब पांच बजे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिल प्रशासन और मजदूर के परिजनों में समझौता हो गया है।

होटल प्रबंधन पर जमीन हड़पने का आरोप, हंगामा

ताज होटल बनाम ब्रह्मबाबा मंदिर

» हंगामें की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस-प्रशासन, टला बड़ा बवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। प्रयागराज रोड पर निर्माणाधीन ताज होटल और ब्रह्मबाबा मंदिर की ज़मीन को लेकर उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब मंदिर समिति और स्थानीय प्रतिनिधियों ने होटल प्रबंधन पर ज़मीन हड़पने का आरोप लगाया। देखते ही देखते मामला तूल पकड़ गया और मौके पर तनावपूर्ण माहौल बन गया।

पार्षद प्रतिनिधि ओरौनी प्रसाद पासवान और ब्रह्मबाबा मंदिर सेवा समिति का आरोप था कि होटल के कर्मचारियों ने मंदिर की ज़मीन में करीब 15 फीट गहरा गड्ढा खोद दिया, जिससे साफ संकेत मिलता है कि धार्मिक स्थल की भूमि पर कब्ज़े की कोशिश की जा रही है। आरोपों के बाद मंदिर समिति के सदस्य और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में निर्माण स्थल पर पहुंच गए। दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। हालात इतने बिगड़ गए कि किसी भी वक्त बड़ा विवाद हो सकता था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

होटल प्रबंधन ने आरोपों को बताया साज़िश

ताज होटल प्रबंधन की ओर से अधिवक्ता अभिषेक तिवारी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला निर्माण कार्य रुकवाने की साज़िश है। तिवारी के अनुसार, होटल का निर्माण पूरी तरह वैध सीमा के भीतर हो रहा है और किसी भी धार्मिक स्थल की भूमि पर कोई अतिक्रमण नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग बार-बार नए चेहरों के साथ आकर आपत्ति जताते रहे हैं, जिससे माहौल खराब करने की कोशिश की गई। विवाद बढ़ता देख राजस्व विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर ज़मीन का सीमांकन कराया। चूने से स्पष्ट रूप से सीमा रेखा खींची गई, जिससे यह साफ हो गया कि होटल का निर्माण तय दायरे में ही हो रहा है। सीमांकन के बाद दोनों पक्षों को स्थिति समझाई गई, जिसके बाद माहौल धीरे-धीरे शांत हुआ। प्रशासन की तत्परता और पुलिस की मौजूदगी के चलते मामला गंभीर टकराव में बदलने से बच गया। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि या अफवाह फैलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

होटल प्रबंधन की ओर से यह भी कहा गया कि ब्रह्मबाबा मंदिर की ज़मीन और आस्था का पूरा सम्मान किया जा रहा है और निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। सच जो भी हो, इस विवाद ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अयोध्या में ज़मीन सिर्फ मिट्टी नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है।

स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने की जरूरत: महापौर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत आयोजित मंडलीय कार्यशाला में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने स्वच्छता को जन-जन की मुहिम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने का अभियान है।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने पान-तंबाकू की पीच को स्वच्छता पर धब्बा बताते हुए कार्यालयों से अभियान शुरू करने की अपील की। कार्यशाला में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रह, कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक नियंत्रण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर चर्चा हुई। कार्यशाला में मंडल के विभिन्न नगर निकायों के अधिकारियों ने भाग लिया और बेहतर रैंकिंग के लिए समन्वित प्रयास का संकल्प लिया। कार्यक्रम जीरो वेस्ट और प्लास्टिक फ्री रहा।

संध्या भजन स्थल: शराब की बोतलें बिखरी गुटखे के पाउच, बदबू से सांस लेना मुश्किल

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

समीर शाही स्वराज इंडिया

पूर्व मंत्री पवन पांडेय का आरोप सरयू तट पर बदहाली के हालात

अयोध्या। सपा के पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडये उर्फ पवन पांडेय ने भाजपा सरकार पर सरयू तट पर बने संध्या भजन स्थल की बदहाली को लेकर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा ÷राम के नाम पर वोट लेने वाली सरकार ने राम की नगरी को कचरा घर बना दिया है। सपा सरकार में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा स्वीकृत 15 करोड़ रुपये से बना यह भजन स्थल आज बदहाली, गंदगी और शराबखोरी का अड्डा बन चुका है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि अयोध्या की आस्था का खुला अपमान है। 15 करोड़ की श्रद्धा, आज कूड़े में तब्दील हो चुकी है। जिस स्थल पर हर शाम भजन-कीर्तन गूंजना था, वहां आज शराब की बोतलें बिखरी हैं गुटखे के पाउच उड़ रहे हैं बदबू से सांस लेना मुश्किल टूटे फर्श और उखड़ी टाइलें न सफाई, न सुरक्षा, न सम्मान। भाजपा सरकार ने इस पवित्र स्थल को पूरी तरह भगवान भरोसे छोड़ दिया है।

पूर्व मंत्री ने कहा आज संध्या भजन स्थल भाजपा शासन की विफलता का जिंदा स्मारक बन चुका है। जहां आरती की लौ जलती थी, वहां आज नशे की आग सुलगती है। जहां साधना होती थी, वहां अब शर्मनाक हरकतें होती हैं। यह दृश्य पूरे प्रशासन पर तमाचा है। 15 करोड़ की परियोजना आज कूड़े के ढेर में बदल चुकी है।

राम मंदिर चमका, बाकी आस्था धूल में

पूर्व मंत्री का कहना है कि सरकार ने राम मंदिर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के नाम पर अरबों खर्च किए। लेकिन बाकी धार्मिक स्थलों को उपेक्षित छोड़ दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम कहां है? पर्यटन विभाग कहां है? प्रशासन क्यों सो रहा है?। किसी की कोई जवाबदेही नहीं है। लोग कह रहे हैं ÷अगर यही हाल रहा तो हम आंदोलन करेंगे। ÷अब भाषण नहीं, काम चाहिए। पूर्व मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा अगर सरकार ने तुरंत ध्यान नहीं दिया, तो यह मुद्दा सड़क से सदन तक गूंजेगा। उन्होंने साफ किया कि यह लड़ाई राजनीति की नहीं, अयोध्या की अस्मिता की है। संध्या भजन स्थल की हालत लापरवाही नहीं यह आस्था के खिलाफ अपराध है।

राम की नगरी में आने वाले भक्तों का स्वागत करेगा लक्ष्मण द्वार

यह प्रवेश द्वार पर्यटन को भी नई ऊंचाई देगा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए एनएच-330ए (अयोध्या-गोण्डा मार्ग) पर भव्य लक्ष्मण द्वार का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह प्रवेश द्वार न केवल शहर की धार्मिक गरिमा बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटन को भी नई ऊंचाई देगा।

देईपुर/कटरा भागचंद्र अहतमाली क्षेत्र में 40 मीटर चौड़े मार्ग पर बन रहे इस द्वार का निर्माण उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत 3,970.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। द्वार को पिंक सॉलिड स्टोन से सजाया जाएगा, जिससे इसे राजसी और आकर्षक स्वरूप मिलेगा। राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर रविंद्र यादव के अनुसार, अब तक करीब 35 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण कर अक्टूबर तक लक्ष्मण द्वार तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

भक्ति और संस्कृति का प्रतीक...

लक्ष्मण द्वार रामायण काल में लक्ष्मण जी के श्रीराम के प्रति समर्पण का प्रतीक होगा। इसके निर्माण से यह मार्ग धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के रूप में विकसित होगा, जिससे श्रद्धालुओं में आस्था और उत्साह का संचार होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में अयोध्या का धार्मिक और पर्यटन विकास प्रमुख रूप से शामिल है। राम मंदिर लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लक्ष्मण द्वार इसी क्रम में एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके निर्माण से स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन और सेवा क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। एनएच-330ए पर बन रहा यह भव्य प्रवेश द्वार अयोध्या-गोण्डा मार्ग की गरिमा को कई गुना बढ़ाएगा और रामनगरी की पहचान को और मजबूत करेगा।

ड्रोन, बैलिस्टिक मिसाइलें और एयर-लॉन्च हथियारों से रूस ने कीव-खारकीव समेत ऊर्जा ढांचे को बनाया निशाना

रूस-यूक्रेन टकराव और बढ़ा, ड्रोन-मिसाइल हमलों से दहले कई शहर

स्वराज इंडिया डेस्क

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला है। ताज़ा हमलों में रूस ने यूक्रेन के कई प्रमुख शहरों और ऊर्जा ठिकानों पर भारी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक यह हाल के महीनों का सबसे व्यापक संयुक्त हवाई हमला माना जा रहा है। हमलों के कारण कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और आपात सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है। इसी बीच अमेरिकी मध्यस्थता में प्रस्तावित शांति वार्ता के अगले दौर को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक रूसी सेना ने लंबी दूरी के सैकड़ों ड्रोन, बैलिस्टिक मिसाइलें और एयर-लॉन्च मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हमलों का फोकस बड़े शहरों के साथ-साथ पावर ग्रिड, ईंधन सुविधाओं और रणनीतिक ढांचों पर रहा।

⇨ दोनों पक्षों के बीच शांति वार्ता पर अभी बनी है अनिश्चितता, यूक्रेन ने भी जवाबी हमले करने का किया दावा

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने दोनों पक्षों के बीच नए वार्ता दौर का प्रस्ताव रखा है, जिसके लिए यूक्रेन तैयार है, लेकिन रूस की ओर से ठोस सहमति नहीं मिली है। वहीं रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने वार्ता की संभावना से इनकार नहीं किया, पर विवरण देने से बचते रहे। उधर यूक्रेन ने भी लंबी दूरी के ड्रोन से रूस के अंदरूनी इलाकों में जवाबी हमले करने का दावा किया है, जिनमें तेल रिफाइनरी और सैन्य भंडारण ठिकाने शामिल बताए गए हैं।

किस तरह किया हमला

- 219 लंबी दूरी के ड्रोन दागे जाने का दावा
- 24 बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल
- एक एयर-लॉन्च मिसाइल भी शामिल
- रातभर कई चरणों में हमले
- ऊर्जा ग्रिड और महत्वपूर्ण ढांचे प्राथमिक लक्ष्य

यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई

- लंबी दूरी के स्वदेशी ड्रोन से रूसी ठिकानों पर हमले का दावा
- कोमी क्षेत्र की उख्ता तेल रिफाइनरी पर स्ट्राइक
- दूरी लगभग 1700+ किमी बताई गई
- सैन्य भंडारण और रक्षा औद्योगिक संयंत्रों को भी निशाना बनाने की बात

शांति वार्ता की मौजूदा स्थिति

- अमेरिकी मध्यस्थता में नए दौर का प्रस्ताव
- संभावित स्थानः मियामी या अबूधाबी (प्रस्तावित)
- यूक्रेन ने तुरंत सहमति जताई
- रूस की ओर से सतर्क और धीमी प्रतिक्रिया
- दोनो ओर से प्रमुख मुद्दों पर मतभेद बरकरार

हमले का किन शहरों पर असर

- राजधानी कीव पर कई लहरों में हवाई हमले
- दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में विस्फोट और ढांचे को नुकसान
- मध्य यूक्रेन के औद्योगिक शहर निप्रो को निशाना
- दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में ऊर्जा सुविधाओं पर वार

फैक्ट फाइल

- यह हाल का सबसे बड़ा संयुक्त ड्रोन-मिसाइल हमला बताया जा रहा
- ऊर्जा ढांचे पर फोकस से सप्लाई बाधित होने की आशंका
- दोनों पक्ष अब गहरी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन इस्तेमाल कर रहे
- युद्ध के साथ-साथ कूटनीतिक मोर्चा भी अनिश्चित
- नागरिक इलाकों पर हमले के असर से मानवीय चिंता

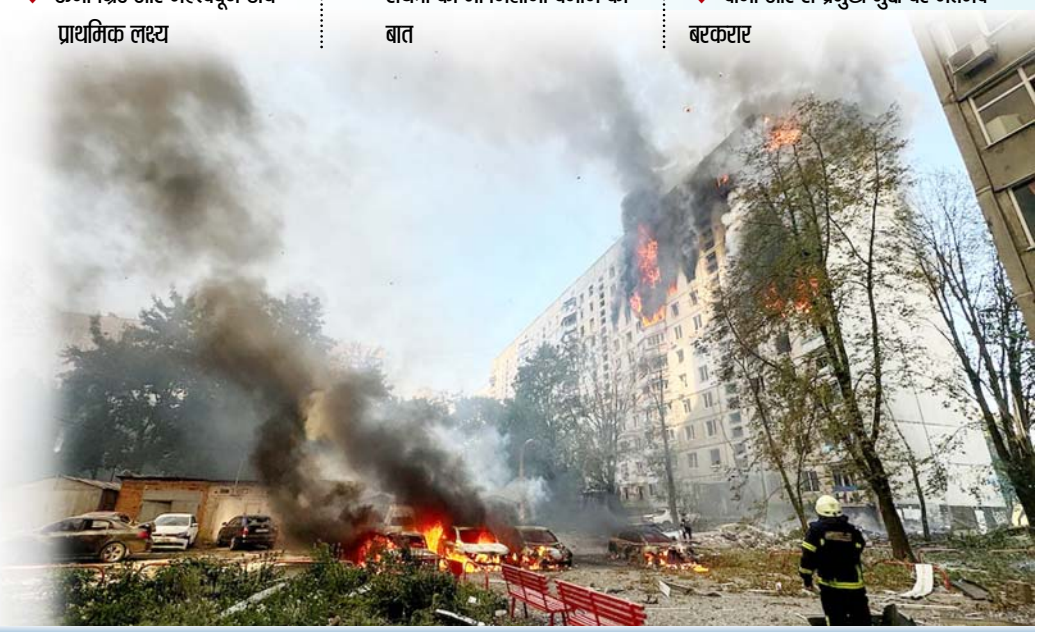

हजारीबाग में हाथियों का तांडव, पांच जंगली हाथियों का झुंड अचानक गांव में पहुंचा, उस वक्त लोग सो रहे थे

गांव में घुसकर परिवार के 6 लोगों को कुचला

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

हजारीबाग। गुरुवार देर रात जिले के ग्रामीण क्षेत्र में हाथियों के झुंड ने ऐसा कहर बरपाया कि पूरा इलाका दहल उठा। अंगो थाना क्षेत्र के चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव में हाथियों ने एक घर में घुसकर छह लोगों को कुचल दिया। मृतकों में एक साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। घटना रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच की बताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, पांच जंगली हाथियों का झुंड अचानक गांव में पहुंच गया। उस समय अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। हाथियों ने एक मकान का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर सो रहे परिवार के सदस्यों को रौंद डाला। हमले में सुमन कुमारी (26), धनेश्वर राम (52), सूरज राम (50), सविता देवी (25), अनुराग राम (1) और संजना कुमारी (3) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि हाथियों का यह झुंड पिछले एक महीने से आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय था। वन विभाग ने अलर्ट तो जारी किया था, लेकिन प्रभावी रोकथाम नहीं हो सकी।

पूर्वी वन प्रमंडल के डीएफओ विकास कुमार उज्ज्वल ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विभागीय टीम मौके पर पहुंच चुकी है और पीड़ित परिवारों को सरकारी प्रावधानों के तहत मुआवजा दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि आसपास के क्षेत्रों, खासकर रामगढ़ और गोमिया प्रखंडों में भी हाल के दिनों में हाथियों के हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं।

लगातार हो रही घटनाओं से वन विभाग की तैयारियों और सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

- देर रात गांव में घुसा पांच हाथियों का झुंड
- घर का दरवाजा तोड़कर परिवार पर किया हमला
- एक साल के बच्चे समेत 6 की मौत
- पिछले एक महीने से क्षेत्र में सक्रिय था झुंड
- मुआवजे और राहत की प्रक्रिया शुरू

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com